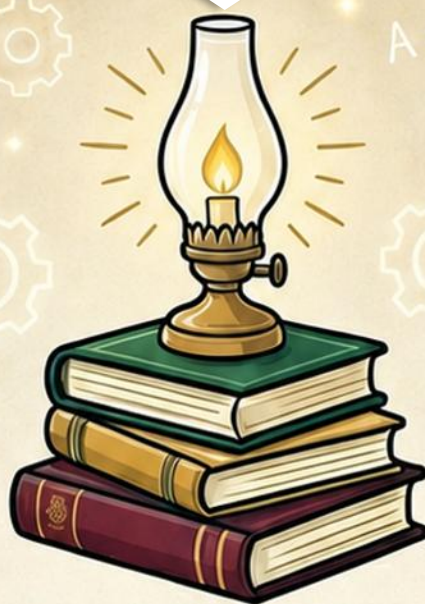




NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS



APRIL-2026

Your Path to Success

खंड - अ

A.	☐
B.	☒
C.	☐

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

1. 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में प्रकृति का मानवीकरण किया गया है ताकि

- (क) कविता के सौन्दर्य-वर्णन में वृद्धि हो सके
- (ख) प्रकृति तथा पृथ्वी के दुख का अहसास हो सके
- (ग) लोग पृथ्वी के दुख को आपस में बाँटें
- (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर - (ख) प्रकृति तथा पृथ्वी के दुख का अहसास हो सके

2. पावस देखि रहीम मन, कोइल साथे मौन ।

अब दादुर बक्ता भए, हमको पूछत कौन ।।

रहीम के दोहे में दादुर _____ लोगों का प्रतीक है।

- (क) ज्ञानी परन्तु कम बोलने वाले
- (ख) ज्ञानी परन्तु बढ़-चढ़कर बोलने वाले
- (ग) अज्ञानियों को महत्त्व देनेवाले
- (घ) अज्ञानी और बढ़-चढ़कर बोलने वाले

उत्तर - (घ) अज्ञानी और बढ़-चढ़कर बोलने वाले

3. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

(क) आज़ादी की फ़सल को _____ ही काट सकता है।

उत्तर - बोनेवाला

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि को लगता है जैसे _____ का स्वयंवर हो रहा हो।

उत्तर - सरसों

(ग) एक कवि के लिए आज़ादी का तात्पर्य _____ है।

उत्तर - शब्द



4. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

(क) आह्वान कविता के अनुसार जीवन में सफलता पाने के लिए _____ की भावना त्यागकर _____ का पाठ पढ़ना पड़ता है।

उत्तर - भाग्य, पौरुष (कर्म)

(ख) कबीर के अनुसार गुरु _____ और शिष्य _____ के समान होता है।

उत्तर - कुम्हार, कुंभ (घड़े)।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

(क) कवि वृंद ने मनुष्य की आँखों द्वारा उसके हृदय में विद्यमान हित या अहित के भाव को _____ उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया है, इसलिए यहाँ _____ अलंकार है।

उत्तर - आरसी (दर्पण), दृष्टांत

(ख) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में कवयित्री ने _____ और _____ स्वार्थ को मानव विरोधी भाव बताए हैं।

उत्तर - उपभोक्तावाद, व्यक्तिगत

6. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

ऐसा दे दो दर्द मुझे तुम

मेरा गीत दीया बन जाए।

मुरझा पाए न फसल कोई

ऐसी खाद बने इस तन की

किसी घर न दीपक बुझ पाए

ऐसी जलन जले इस मन की

भूखी सोए रात न कोई

प्यासी जागे सुबह न कोई

स्वर बरसे सावन आ जाए

रक्त गिरे, गेहूँ उग आए।



ऐसा दे दो दर्द मुझे तुम
मेरा गीत दीया बन जाए।
बहे पसीना जहाँ, वहाँ
हरयाने लगे नई हरियाली
गीत जहाँ गा आए, वहाँ
छा जाए सूरज की उजियाली
हँस दे प्यार जहाँ
मुसका दे मेरी मानव-ममता
चंदन हर मिट्टी हो जाए
नंदन हर बगिया बन जाए।
ऐसा दर्द दे दो मुझे तुम
मेरा गीत दीया बन जाए।

(क) 'मेरा गीत दीया बन जाए' कहकर कवि कहना चाहता है कि

- (i) उसके गीत दीपक समान सुंदर हों।
- (ii) उसके गीत लोगों के दुख रुपी अंधेरे को दूर करें और खुशी दें।
- (iii) गीतों को दीया बनाकर वह उसमें करुणा और संवेदना का तेल डाल सके।
- (iv) दर्द में डूबे उसके गीत पाठकों का मन बहला सकें।

उत्तर - (ii) उसके गीत लोगों के दुख रुपी अंधेरे को दूर करें और खुशी दें।

(ख) कवि अपने तन का प्रयोग इस प्रकार करना चाहता है

- (i) देश की सीमाओं की रक्षा के लिए।
- (ii) देश में नव क्रांति लाने के लिए।
- (iii) सभी के जीवन में खुशियाँ लाने के लिए।
- (iv) देश की मिट्टी में मिलकर खाद की तरह उसकी उपजाऊ शक्ति बढ़ाने के लिए



उत्तर - (iv) देश की मिट्टी में मिलकर खाद की तरह उसकी उपजाऊ शक्ति बढ़ाने के लिए

(ग) कवि हर बगिया को क्या बनाना चाहता है?

(i) लहलहाते खेत

(ii) नन्दन

(iii) चन्दन

(iv) सावन

उत्तर - (ii) नन्दन

(घ) 'भूखी सोय रात न कोई, प्यासी जागे सुबह न कोई' में _____ अलंकार है।

(i) मानवीकरण

(ii) उपमा

(iii) अनुप्रास

(iv) रूपक

उत्तर - (i) मानवीकरण

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

7. समाचार लिखने वाले अथवा प्रस्तुत करनेवाले संवाददाता के नाम को कहते हैं।

(क) बाइ लाइन

(ख) इन्द्रो

(ग) कैप्शन

(घ) संपादकीय

उत्तर - (क) बाइ लाइन

8. बहादुर की संवेदनशीलता का पता इस बात से लगता है कि ।

(क) वह सिल टूटने पर घर से भाग जाता है।

(ख) सभी के लिए दौड़-भाग कर काम करता है।



(ग) मारपीट का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता ।

(घ) झूठे आरोप लगने पर वह घर से भाग जाता है।

उत्तर - (क) वह सिल टूटने पर घर से भाग जाता है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

9. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' पाठ के अनुसार आर्यों के पास ऐसी कौन-सी दो चीज़ें थीं, जिनके कारण वे विजयी हुए?

(क) लोहे व हड्डियों के हथियार

(ख) लोहे के अस्त्र व घोड़े

(ग) वज्रास्त्र व घोड़े

(घ) पलीते वाली बंदूके व बम

उत्तर - (ख) लोहे के अस्त्र व घोड़े

10. शतरंज के खिलाड़ी पाठ के अनुसार खून की एक भी बूँद गिरे बिना नवाब वाज़िदअली शाह की गिरफ्तारी किसका द्योतक है?

(क) अहिंसा का

(ख) वीरता का

(ग) शांति का

(घ) कायरता का

उत्तर - (घ) कायरता का

11. दूरदर्शन अधिकारी को लिखा जाने वाला पत्र किस प्रकार का होगा?

(क) व्यावसायिक पत्र

(ख) अनौपचारिक पत्र

(ग) आवेदन / प्रार्थना पत्र

(घ) कार्यालयी पत्र

उत्तर - (घ) कार्यालयी पत्र



निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

12. विस्तार से कही गई बात को कम शब्दों में व्यक्त करने को _____ कहते हैं।

उत्तर - सार-लेखन

13. 'अंधेर नगरी' नाटक में महंत ने _____ को देखते हुए तुरंत नगर छोड़ने का निर्णय लिया।

उत्तर - टके सेर भाजी और टके सेर खाजा

14. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

(क) सुखी राजकुमार कहानी में ईश्वर के द्वारा देवदूत को नगर की दो सबसे मूल्यवान वस्तुएँ लाने का आदेश देने पर देवदूत _____ और _____ ले आया।

उत्तर - जस्ते का दिल और मृत गौरैया।

(ख) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' पाठ के लेखक _____ हैं।

उत्तर - हजारी प्रसाद द्विवेदी।

15. निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए -

(क) "वाह रे, इसके पेट में तो लंबी दाढ़ी है।" _____

उत्तर - निर्मला

(ख) "जनाब, हीले न कीजिए। ये चकमे किसी और को दीजिएगा।" _____

उत्तर - मिर्जा सज्जाद अली

16. नीचे दिए गए कथनों को उत्तर-पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही है या गलत।

(क) निबंध के चार प्रमुख अंग होते हैं।

उत्तर - गलत (निबंध के तीन अंग होते हैं)।

(ख) बहादुर द्वारा अपना सारा सामान कथावाचक के घर में छोड़कर चले जाना उसके स्वाभिमान को दर्शाता है।

उत्तर - सही

17. 'अंधेर नगरी' नाटक के पात्र राजा की दो चारित्रिक विशेषताएँ _____ और _____ हैं।

(क) कर्तव्यनिष्ठ और स्वकेन्द्रित



(ख) विवेकहीनता और आत्मकेन्द्रिकता

(ग) धार्मिक और कर्मठ

(घ) विवेकहीनता और संवेदनशीलता

उत्तर - (ख) विवेकहीनता और आत्मकेन्द्रिकता

18. नीचे दिए गए पाठों और पात्रों के सही युग्म चुनिए और उन्हें अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए

पाठ का नाम	पात्र का नाम
सुखी राजकुमार	बेगम
शतरंज के खिलाड़ी	गोबरधनदास
	मेयर

उत्तर -

पाठ का नाम	पात्र का नाम
सुखी राजकुमार	मेयर
शतरंज के खिलाड़ी	बेगम

19. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

(क) फ़ोटो के नीचे दी गई सूचना को अखबार की भाषा में _____ कहते हैं।

(ख) अनौपचारिक पत्र लेखन में संबोधन के तुरंत बाद उस व्यक्ति को संबोधन के ही अनुरूप _____ लिखना होता है।

उत्तर - (क) कैप्शन (ख) अभिवादन

20. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

जब लोग त्रस्त हों, पराजित हों या शोकग्रस्त हों तभी उन्हें हमारी सहानुभूति, सहायता या प्रोत्साहन की ज़रूरत होती है। उस समय उनका आत्मविश्वास लड़खड़ा जाता है। उस समय उनकी खिल्ली उड़ाने का या उनकी परेशानी का मज़ा लूटने का मोह हमें रोकना चाहिए तथा उन्हें सहारा देना चाहिए। उनकी हिम्मत बढ़ानी चाहिए। जो ऐसा करते हैं, वे उनके हृदय में हमेशा के लिए स्थान प्राप्त कर लेते हैं, अपनी लोकप्रियता की परिधि विस्तृत करते हैं। दूसरों के सुख-दुख में सच्चे अन्तःकरण से दिलचस्पी लेना अच्छे संस्कार का लक्षण तो है ही, साथ ही व्यवहार-



कुशलता भी है, जो लोगों को हमारी ओर आकर्षित करती है। हाँ, इसमें दिखावा, बनावटीपन और ऊपरी-ऊपरी शिष्टाचार नहीं होना चाहिए। जो भावना सच्ची होती है, हृदय से निकलती है, वही हृदय को बाँध भी सकती है। मानव की दो मूल प्रवृत्तियाँ होती हैं। एक तो यह कि लोग हमारे गुणों की कद्र करें, हमें दाद दें और हमारा आदर करें और दूसरे वे हम से प्रेम करें, हमारा अभाव महसूस करें, उनके जीवन में हम कुछ महत्त्व रखते हैं - ऐसा अनुभव करें।

(क) लोगों को हमारी सहानुभूति की सबसे अधिक आवश्यकता कब होती है?

- (i) जब जीवन की परिस्थितियाँ उनके अनुकूल हों।
- (ii) जिस समय वे लोकप्रिय हो जाएँ।
- (iii) जिस समय उनका आत्मविश्वास लड़खड़ा जाए।
- (iv) जब वे त्रस्त, शोकग्रस्त और पराजित न हों।

उत्तर - (iii) जिस समय उनका आत्मविश्वास लड़खड़ा जाए।

(ख) किस प्रकार के लोग दूसरों के दिलों में जगह बना लेते हैं?

- (i) जो दूसरों की खिल्ली उड़ाते हैं
- (ii) जो दूसरों की परेशानी का मज़ा लूटते हो
- (iii) जो लोगों को लुभाने के लिए तरह-तरह के झूठे वादे करते हों
- (iv) जो दूसरों की भावनाओं को समझकर उनकी हिम्मत बढ़ाते हों

उत्तर - (iv) जो दूसरों की भावनाओं को समझकर उनकी हिम्मत बढ़ाते हों

(ग) व्यवहार-कुशलता का लक्षण है

- (i) दूसरों की भावनाएँ जान-समझकर भी चुप रहना।
- (ii) दूसरों के सुख-दुख में साथ देना।
- (iii) लोकप्रियता के लिए अवसरानुकूल आचरण करना।
- (iv) दिखावा, बनावटीपन और ऊपरी शिष्टाचार।

उत्तर - (ii) दूसरों के सुख-दुख में साथ देना।



(घ) प्रत्येक मनुष्य चाहता है -

- (i) शिष्टाचार का पालन करना और दिखावा ।
- (ii) अपने गुणों की कद्र व दूसरों का प्रेम पाना ।
- (iii) बनावटीपन दिखाकर दूसरों का प्रेम हासिल करना ।
- (iv) दूसरों को पराजित व शोकग्रस्त देखना ।

उत्तर - (ii) अपने गुणों की कद्र व दूसरों का प्रेम पाना ।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

21. 'फिरकी की तरह नाचना' मुहावरे का अर्थ है

- (i) एक खिलौना
- (ii) काम करने के लिए इधर से उधर दौड़ते फिरना
- (iii) बहुत तेज़ दौड़ना
- (iv) नृत्य-कला में कुशल होना

उत्तर - (ii) काम करने के लिए इधर से उधर दौड़ते फिरना

22. 'आनंद-महल' में _____ समास है।

- (i) अव्ययीभाव
- (ii) द्वन्द्व
- (iii) तत्पुरुष
- (iv) बहुव्रीहि

उत्तर - (iii) तत्पुरुष

23. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है

- (i) दिल्ली में देखने योग्य कई दर्शनीय स्थान हैं।
- (ii) दिल्ली में अनेक दर्शनीय स्थान हैं।



(iii) दिल्ली में अनेक दर्शनीय स्थान देखने योग्य हैं।

(iv) दिल्ली में हैं अनेकों दर्शनीय स्थान।

उत्तर - (ii) दिल्ली में अनेक दर्शनीय स्थान हैं।

24. 'जब दरवाज़ा बंद हुआ, तो समझ गए, बेगम साहिबा बिगड़ गई। यह एक _____ वाक्य है।

(i) संयुक्त

(ii) विधानवाचक

(iii) मिश्र

(iv) सरल

उत्तर - (iii) मिश्र

25. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए

(i) 'वार्तालाप' का संधि-विच्छेद _____ है।

(ii) 'अत्यधिक' का संधि विच्छेद _____ है।

उत्तर - (i) वार्ता + आलाप (ii) अति + अधिक

26. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

(i) 'राष्ट्रीय' शब्द में _____ प्रत्यय है।

(ii) 'अपमान' शब्द में _____ उपसर्ग है।

उत्तर - (i) 'ईय' प्रत्यय (ii) 'अप' उपसर्ग

27. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

(i) मयूर, जिह्वा, सूरज और दधि में से _____ तद्भव शब्द है।

(ii) कंगन, गाँव, दाँत और दुग्ध में से _____ तत्सम शब्द है।

उत्तर - (i) तद्भव: सूरज (ii) तत्सम: दुग्ध



खंड 'ब'



28. निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए -

खैर, खून, खाँसी, खुसी, वैर, प्रीति, मदपान ।

रहिमन दाबे न दबें, जानत सकल जहान ॥

उत्तर -

भाव - सौंदर्य : यह पंक्तियाँ 'रहीम के दोहे' से ली गई हैं। इसके कवि '**रहीम**' हैं। इन पंक्तियों में रहीम ने मानव-स्वभाव की एक गहरी सच्चाई को बहुत सरल और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। कवि के अनुसार खैर अर्थात् कत्थे का रंग, हत्या, खाँसी, खुशी, शत्रुता, प्रेम और नशा- ये सात बातें ऐसी हैं, जिन्हें अधिक समय तक छिपाया नहीं जा सकता। मनुष्य इन्हें छिपाने या दबाने का कितना भी प्रयास करे, उसके चेहरे, वाणी और व्यवहार से इनका पता चल ही जाता है। इस दोहे के माध्यम से कवि संदेश देते हैं कि मनुष्य की वास्तविक भावनाएँ और उसके कर्म कभी-न-कभी संसार के सामने प्रकट अवश्य हो जाते हैं।

शिल्प-सौंदर्य :

- 1) कविता की भाषा बहुत ही सरल, सहज और मधुर ब्रजभाषा है।
- 2) 'खैर, खून, खाँसी, खुसी' में यहाँ अनुप्रास अलंकार का प्रयोग हुआ है।
- 3) इस काव्य में 'दोहा' छंद का प्रयोग किया गया है।
- 4) कवि ने नीतिपरक (सीख देने वाली) शैली का उपयोग किया है।

अथवा

फाग गाता मास फागुन

आ गया है आज जैसे।

देखता हूँ मैं : स्वयंवर हो रहा है

प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है

इस विजन में

दूर व्यापारिक नगर से

प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।



उत्तर -

भाव-सौंदर्य : यह पंक्तियाँ **केदारनाथ अग्रवाल** की कविता '**चंद्रगहना से लौटती बेर**' से ली गई हैं। इन पंक्तियों में कवि ने फागुन के महीने में प्रकृति के सुंदर, प्रेममय और उल्लासपूर्ण रूप का चित्रण किया है। फागुन के आगमन पर ऐसा लगता है मानो पूरी प्रकृति आनंद में डूबकर फागुन गा रही हो। चारों ओर फैली हरियाली और खिले हुए फूलों को देखकर कवि को प्रकृति के स्वयंवर का दृश्य दिखाई देता है। हवा में हिलती वनस्पतियाँ प्रकृति के प्रेमरूपी आँचल के समान प्रतीत होती हैं। कवि के अनुसार व्यापारिक नगरों की कृत्रिम और व्यस्त दुनिया से दूर यह शांत ग्रामीण क्षेत्र प्रेम के लिए अधिक स्वाभाविक और उपजाऊ भूमि है।

शिल्प-सौंदर्य :

- 1) कविता की भाषा सरल, सहज, भावपूर्ण और चित्रात्मक है।
- 2) प्रकृति को मनुष्य की तरह स्वयंवर करते हुए दिखाया गया है, इसलिए यहाँ मानवीकरण अलंकार का सुंदर प्रयोग हुआ है।
- 3) 'प्रेम की प्रिय भूमि' में 'प' वर्ण की पुनरावृत्ति के कारण अनुप्रास अलंकार है।
- 4) 'अनुराग आँचल' जैसे शब्दों से प्रकृति के प्रेममय रूप को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया है।
- 5) कविता मुक्त छंद में रची गई है।
- 6) कवि ने प्रकृति-चित्रण और प्रेम की भावना को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त किया है।

29. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

सुना है कभी

रात के सत्राटे में अँधेरे से मुँह ढाँप

किस कदर रोती हैं नदियाँ ?

इस घाट अपने कपड़े और मवेशी धोते

सोचा है कभी कि उस घाट

पी रहा होगा कोई प्यासा पानी

या कोई स्त्री चढ़ा रही होगी

किसी देवता को अर्घ्य ?



उत्तर -

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियाँ कविता 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' से ली गई हैं। इसकी कवयित्री **निर्मला पुतुल** जी हैं। इन पंक्तियों में कवयित्री ने नदियों के बढ़ते प्रदूषण और मनुष्य की लापरवाही व स्वार्थ पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

व्याख्या : कवयित्री मनुष्य से सीधे सवाल करती हैं कि क्या तुमने कभी रात के शांत सन्नाटे में महसूस किया है कि नदियाँ अपना मुँह छिपाकर किस तरह फूट-फूटकर रोती हैं? अर्थात् नदियाँ अपने जल के गंदा होने से बहुत दुखी और तड़प रही हैं। जब तुम नदी के एक किनारे (घाट) पर अपने गंदे कपड़े और जानवरों (मवेशियों) को धोकर पानी को गंदा कर रहे होते हो, तो क्या तुमने कभी सोचा है कि उसी नदी के दूसरे किनारे पर कोई प्यासा इंसान वही गंदा पानी पी रहा होगा? या फिर कोई श्रद्धालु स्त्री उसी जल से अपने देवता को अर्घ्य (जल) चढ़ा रही होगी? मनुष्य ने अपने स्वार्थ में आकर दूसरों की परवाह किए बिना पवित्र नदियों को पूरी तरह प्रदूषित कर दिया है।

विशेष :

- 1) नदियों को एक इंसान की तरह रोते हुए दिखाया गया है, इसलिए यहाँ मानवीकरण अलंकार का बहुत सुंदर प्रयोग है।
- 2) भाषा बहुत ही सरल, मार्मिक और सीधे सोचने पर मजबूर करने वाली है।
- 3) यह कविता मनुष्य को पर्यावरण और नदियों के प्रदूषण के प्रति जागरूक करती है।

अथवा

गुरु कुम्हार सिष कुंभ है, गढ़ि-गढ़ि काढ़े खोट ।

अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट ।।

उत्तर -

प्रसंग : प्रस्तुत दोहा संत 'कबीरदास' जी के दोहों से लिया गया है। इस दोहे में कबीर ने सच्चे गुरु की महिमा और शिष्य के जीवन को संवारने में गुरु के महत्त्व को एक बहुत ही सुंदर उदाहरण से समझाया है।

व्याख्या : कबीरदास जी कहते हैं कि गुरु एक कुम्हार के समान है और शिष्य कच्ची मिट्टी के घड़े (कुंभ) के समान है। जिस प्रकार कुम्हार घड़े को एक सुंदर आकार देने के लिए अंदर से अपने एक हाथ का सहारा देता है और बाहर से उस पर धीरे-धीरे चोट करता है (थपथपाता है); ठीक उसी प्रकार, एक गुरु भी अपने शिष्य की बुराइयों (खोट) को दूर करने के लिए उसे बाहर से कठोर अनुशासन में रखता है और डांटता है। लेकिन अंदर ही अंदर गुरु अपने शिष्य को पूरा प्यार, सहारा और सही मार्गदर्शन देता है, ताकि शिष्य का जीवन निखर सके और वह एक महान इंसान बन सके।

विशेष :

- 1) गुरु की तुलना 'कुम्हार' से और शिष्य की तुलना 'घड़े' से की गई है, जो बहुत ही सटीक और प्रभावशाली उदाहरण है।



- 2) कबीर जी की सधुक्कड़ी (सरल और आम बोलचाल की) भाषा का प्रयोग हुआ है, जिसे कोई भी आसानी से समझ सकता है।
- 3) 'गढ़ि-गढ़ि' में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार और 'बाहर बाहै' में अनुप्रास अलंकार का सुंदर प्रयोग है।
- 4) इसमें यह संदेश है कि गुरु की डांट और कठोरता के पीछे हमेशा शिष्य की भलाई ही छिपी होती है।

30. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) 'आह्वान' कविता के कवि के अनुसार राष्ट्र के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर - 'आह्वान' कविता के कवि के अनुसार राष्ट्र के विकास के लिए दो महत्त्वपूर्ण बिंदु इस प्रकार हैं:

1. निरंतर कठिन परिश्रम (कर्म) करना।
2. सभी धर्मों व संप्रदायों के बीच आपसी एकता बनाए रखना।

(ख) "आज़ादी" कविता के अंत में शागिर्द को क्या समझ में आ गया और उसने क्या किया ?

उत्तर - आज़ादी" कविता के अंत में शागिर्द को समझ में आ गया कि आज़ादी का असली मतलब कर्म (काम) से भागना नहीं, बल्कि निरंतर मेहनत (कर्म) करना ही सच्ची आज़ादी है। यह बात समझकर उसकी सारी उलझन दूर हो गई और वह वापस अपना काम करने के लिए सुई में धागा पिरोने लगा।

(ग) कबीर सुरा भरे स्वर्ण-कलश का उदाहरण देकर क्या स्पष्ट करना चाहते हैं?

उत्तर - कबीर सुरा भरे स्वर्ण-कलश का उदाहरण देकर यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि केवल ऊँचे कुल में जन्म लेने से कोई महान नहीं होता। बुरे कर्मों वाला व्यक्ति शराब भरे सोने के कलश के समान ही निंदनीय है। (अर्थात् जैसे सोने का घड़ा कीमती होने पर भी उसमें शराब भरी हो, तो वह सम्मान के योग्य नहीं रहता।)

(घ) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के आधार पर प्रकृति के प्रति मनुष्य के कर्तव्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के आधार पर प्रकृति के प्रति मनुष्य के कर्तव्य है कि वह अपने स्वार्थ को त्यागकर प्रकृति का दुख समझे, पेड़ों को कटने से बचाए और नदियों को स्वच्छ रखकर पर्यावरण की रक्षा करे।

31. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) 'सुखी राजकुमार' कहानी में बच्चों के प्रति गौरेया के दृष्टिकोण में क्या परिवर्तन आता है व क्यों ?

उत्तर - 'सुखी राजकुमार' कहानी में बच्चों के प्रति गौरेया के दृष्टिकोण में यह परिवर्तन आता है कि पहले वह उनसे चिढ़ती थी, लेकिन राजकुमार की दयालुता और गरीब बच्चों का दुख देखकर उसके मन में उनके प्रति प्रेम और करुणा जाग उठती है।



(ख) 'अंधेर नगरी' नाटक में नाटककार महंत के चरित्र द्वारा क्या संदेश देना चाहता है?

उत्तर - 'अंधेर नगरी' नाटक में नाटककार महंत के चरित्र द्वारा यह संदेश देना चाहता है कि जहाँ अच्छे-बुरे और ज्ञानी-मूर्ख में कोई फर्क न हो, ऐसी विवेकहीन और अज्ञानी जगह पर रहना हमेशा खतरनाक होता है।

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी आज भी प्रासंगिक कैसे है?

उत्तर - 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी आज भी प्रासंगिक है क्योंकि यह सिखाती है कि अपने स्वार्थ और विलासिता में डूबकर देश को भूल जाने से हमेशा पतन ही होता है।

(घ) लेखक के अनुसार नाखूनों का बढ़ना और उन्हें काटना किसकी निशानी है?

उत्तर - लेखक के अनुसार, नाखूनों का बढ़ना मनुष्य के भीतर छिपी हुई पशुता (बुरी आदतों और हिंसा) की निशानी है, जबकि उन्हें काटना उसकी सच्ची मनुष्यता, शांति और त्याग का प्रतीक है।

32. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए

(क) 'बहादुर' कहानी में कथावाचक का पछतावा महत्वपूर्ण क्यों है ?

उत्तर - 'बहादुर' कहानी में कथावाचक का पछतावा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उसे अपनी गलती का अहसास होता है कि झूठे आरोप के कारण उसने एक बहुत ईमानदार और मेहनती सेवक खो दिया।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी के अंत में ईश्वर ने राजकुमार के दिल और गौरेया को कहाँ स्थान दिया ?

उत्तर - सुखी राजकुमार कहानी के अंत में ईश्वर ने इन दोनों मूल्यवान चीजों राजकुमार के जस्ते का दिल और मृत गौरेया को हमेशा के लिए अपने स्वर्ग में स्थान दिया।

(ग) पारिवारिक पत्रों का प्रमुख विशेषता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - पारिवारिक पत्रों की प्रमुख विशेषता यह है कि ये पत्र पूरी तरह अनौपचारिक, आत्मीयता और प्रेम से भरे होते हैं, जिनकी भाषा बिल्कुल सरल और घरेलू होती है।

33. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

दोनों दोस्तों ने कमर से तलवारें निकाल लीं। नवाबी ज़माना था; सभी तलवार, पेशकब्ज़, कटार वगैरह बाँधते थे। दोनों विलासी थे, पर कायर न थे। उनमें राजनीतिक भावों का अधः पतन हो गया था बादशाह के लिए, बादशाहत के लिए क्यों मरें; पर व्यक्तिगत वीरता का अभाव न था। दोनों ज़ख्म खाकर गिरे और दोनों ने वहीं तड़प - तड़प कर जाने दे दीं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम 'शतरंज के खिलाड़ी' है और इसके लेखक का नाम 'मुंशी प्रेमचंद' है।



(ख) गद्यांश में 'दोनों' कहकर किन्हें संबोधित किया जा रहा है? उन्होंने तलवारें क्यों निकाल लीं?

उत्तर - गद्यांश में 'दोनों' कहकर शतरंज खेलने वाले दोनों दोस्तों, मिर्ज़ा सज्जाद अली और मीर रौशन अली को संबोधित किया जा रहा है। उन्होंने शतरंज के खेल में हुए आपसी विवाद और अपनी व्यक्तिगत झूठी शान के कारण एक-दूसरे से लड़ने के लिए तलवारें निकाल लीं।

(ग) सिद्ध कीजिए कि दोनों में राजनीतिक भावों का अधः पतन हो गया था।

उत्तर - दोनों में राजनीतिक भावों का अधः पतन हो गया था, यह इस बात से सिद्ध होता है कि वे अपने देश या अपने बादशाह को विदेशियों (अंग्रेज़ों) से बचाने के लिए बिल्कुल नहीं लड़े, बल्कि अपने व्यक्तिगत अहंकार के लिए आपस में ही लड़कर अपनी जान दे दी।

अथवा

अरे, वह सब झूठ है। मैं तो पहले ही जानती थी कि वे लोग बच्चों को कुछ देना नहीं चाहते, इसलिए अपनी गलती और लाज छिपाने के लिए यह प्रपंच रच रहे हैं। उन लोगों को क्या मैं जानती नहीं? कभी उनके पैसे रास्ते में गुम हो जाते हैं, कभी वे गलती से घर पर ही छोड़ आते हैं। मेरे कलेजे में तो जैसे कुछ हौड़ रहा है। किशोर को भी बड़ा अफ़सोस है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ व लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम 'बहादुर' है और इसके लेखक का नाम 'अमरकांत' है।

(ख) गद्यांश में लेखक की पत्नी किनकी बात कर रही है व क्यों ?

उत्तर - गद्यांश में लेखक की पत्नी अपने घर आए रिश्तेदारों की बात कर रही है। वह उनकी बात इसलिए कर रही है क्योंकि रिश्तेदारों ने पैसे चोरी होने का झूठा नाटक (प्रपंच) रचा था ताकि उन्हें बच्चों को पैसे या कोई उपहार न देना पड़े।

(ग) किशोर को किस बात का अफ़सोस है?

उत्तर - किशोर को इस बात का अफ़सोस है कि उसने और उसके परिवार ने मिलकर निर्दोष नौकर 'बहादुर' पर चोरी का झूठा इल्जाम लगाया और उसे पीटा, जिसके कारण वह दुखी होकर हमेशा के लिए घर छोड़कर चला गया।

34. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

नख-धर मनुष्य एटम बम पर भरोसा करके आगे की ओर चल पड़ा है। पर उसके नाखून अब भी बढ़ रहे हैं। अब भी प्रकृति मनुष्य को उसके भीतर वाले अस्त्र से वंचित नहीं कर रही है। आज भी वह याद दिला देती है कि तुम्हारे नाखून को भुलाया नहीं जा सकता। तुम वही लाखों वर्ष पहले के नखदंता वलंबी जीव हो पशु के साथ एक ही सतह पर विचरनेवाले, चरने वाले।



उत्तर -

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश प्रसिद्ध निबंध '**नाखून क्यों बढ़ते हैं?**' से लिया गया है। इसके लेखक महान साहित्यकार आचार्य **हजारीप्रसाद द्विवेदी** जी हैं। इस गद्यांश में लेखक ने मनुष्य की पुरानी हिंसक प्रवृत्ति (पशुता) और आज के विनाशकारी हथियारों (एटम बम) की तुलना करते हुए आधुनिक मनुष्य पर गहरा व्यंग्य किया है।

व्याख्या : लेखक कहते हैं कि आज का मनुष्य जो कभी अपनी रक्षा के लिए नाखूनों का इस्तेमाल करता था, वह आधुनिकता की अंधी दौड़ में बहुत आगे निकल गया है। आज उसने विनाशकारी एटम बम जैसे भयानक हथियार बना लिए हैं और उन्हीं पर भरोसा करके खुद को बहुत शक्तिशाली मान रहा है। लेकिन, प्रकृति आज भी मनुष्य के नाखून बढ़ाकर उसे यह याद दिलाती रहती है कि वह अपनी पुरानी हिंसक आदतों को अभी छोड़ नहीं पाया है। भले ही मनुष्य ने बाहर से कितना भी विकास कर लिया हो, लेकिन भीतर से वह आज भी लाखों वर्ष पुराना वही जंगली जीव है जो अपने नाखूनों और दाँतों के सहारे लड़ता था। आज के हथियार उसी पुरानी पशुता का नया और अधिक भयानक रूप हैं।

विशेष :

1. भाषा बहुत ही सरल, सहज और व्यंग्यात्मक है।
2. लेखक ने 'नाखून' और 'एटम बम' के माध्यम से मनुष्य की बढ़ती हुई हिंसक प्रवृत्ति और पशुता पर गहरी चोट की है।
3. इसमें यह संदेश है कि हथियारों का विकास मनुष्यता नहीं है, बल्कि यह मनुष्य के अंदर बैठे पशु की निशानी है।

अथवा

ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके ही सेर खाजा हो। ऐसी अंधेर नगरी में हज़ार मन मिठाई मुफ्त की मिले, तो किस काम की? यहाँ एक छन नहीं रहना है।

उत्तर -

प्रसंग : प्रस्तुत गद्यांश प्रसिद्ध नाटक '**अंधेर नगरी**' से लिया गया है। इसके रचयिता **भारतेंदु हरिश्चंद्र** हैं। यह कथन नाटक के मुख्य पात्र 'महंत' जी का है, जो अपने शिष्य गोवर्धनदास को उस अज्ञानी नगरी की सच्चाई बताते हुए वहाँ से तुरंत चले जाने की सलाह दे रहे हैं।

व्याख्या : महंत जी अपने शिष्य को समझाते हुए कहते हैं कि जिस नगरी में साधारण सब्जी (भाजी) और बहुमूल्य मिठाई (खाजा) दोनों एक ही भाव (टके सेर) बिकते हों, वहाँ रहना बिल्कुल भी ठीक नहीं है। ऐसी अज्ञानी और विवेकहीन नगरी में, जहाँ अच्छे-बुरे, गुणी और मूर्ख में कोई फर्क नहीं किया जाता, वहाँ अगर हज़ारों किलो मिठाई मुफ्त में भी मिले, तो भी वह हमारे किसी काम की नहीं है। ऐसी जगह पर न्याय नहीं होता और कभी भी निर्दोष के प्राणों पर संकट आ सकता है। इसलिए, ऐसी अंधेर नगरी में एक पल के लिए भी रुकना खतरे से खाली नहीं है।



विशेष :

1. भाषा आम बोलचाल की, अत्यंत सरल और मुहावरेदार है (जैसे- 'टके सेर' का प्रयोग)।
2. इस गद्यांश में अयोग्य, मूर्ख और विवेकहीन शासन व्यवस्था (अंधेर नगरी) पर करारा व्यंग्य किया गया है।
3. इससे यह शिक्षा मिलती है कि जहाँ गुणों की कद्र न हो और मूर्खों का शासन हो, वहाँ रहना हमेशा विनाशकारी होता है।

35. निम्नलिखित गद्यांश का सार एक-तिहाई शब्दों में लिखिए -

आशा का प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में होना आवश्यक है। मानव को निराशा के अंधकार को चीरकर निरंतर कर्मशील बनकर आशा के प्रकाश की ओर बढ़ते रहना चाहिए। अपने ध्येय की ओर पहुँचने का निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। आशा के बल पर मानव जीवन एक रमणीय उपवन बन जाता है। आशावादी व्यक्ति के जीवन में आनेवाली प्रतिकूल परिस्थितियाँ भी वरदान बन जाती हैं। वह धैर्य का संबल पाकर पर्वत के समान भारी दुखों को सहज रूप से उठा लेता है। जीवन में सफलता असफलता, हानि-लाभ, जय-पराजय, आशा-निराशा तो धूप छाँह की तरह आती – जाती हैं। मानव का गुण है - उत्साह एवं आत्मविश्वास। मनुष्य का हताश और निराश होकर बैठ जाना उसकी क्षमताओं, योग्यताओं तथा आत्मविश्वास का अपमान है। सच्चा मनुष्य वही है, जो संकट काल में धैर्य न छोड़े। दुख में घबराना कायरता का प्रतीक है। उसका सामना करना मनुष्य का कर्तव्य है।

उत्तर - मनुष्य के जीवन में आशा, उत्साह और आत्मविश्वास का होना अनिवार्य है। एक आशावादी व्यक्ति अपने धैर्य के बल पर कठिन से कठिन परिस्थितियों को भी आसानी से पार कर लेता है। जीवन में सुख-दुख और हार-जीत तो आते-जाते रहते हैं। अतः संकट के समय घबराना कायरता है, मुश्किलों का डटकर सामना करना ही सच्ची मनुष्यता है।



36. छात्रावास में रहने वाले अपने अस्वस्थ मित्र को ढाढ़स बँधाकर उसका मनोबल बढ़ाते हुए पत्र लिखिए।

उत्तर -

सिलमपुर 11000XX,

दिल्ली।

दिनांक : 27 अगस्त 2026

प्रिय मित्र रमेश,

सप्रेम नमस्ते।

कल तुम्हारे पिताजी से फोन पर बात हुई, तब पता चला कि तुम छात्रावास (हॉस्टल) में पिछले कुछ दिनों से बीमार हो और तुम्हें तेज़ बुखार है। यह सुनकर मुझे बहुत चिंता हुई।

मित्र, बीमारी तो जीवन का एक हिस्सा है, इसलिए तुम्हें बिल्कुल भी घबराने या निराश होने की आवश्यकता नहीं है। मुझे पता है कि तुम बहुत हिम्मत वाले हो। डॉक्टर ने जो दवाइयाँ दी हैं, उन्हें समय पर लेते रहो और खाने-पीने का पूरा ध्यान रखो। छात्रावास में रहते हुए बाहर के खाने से पूरी तरह परहेज करना।

अपना मनोबल ऊँचा रखो, तुम बहुत जल्दी स्वस्थ होकर वापस अपनी पढ़ाई में जुट जाओगे। मेरी परीक्षाएँ खत्म होते ही मैं तुमसे मिलने आऊँगा। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना।

तुम्हारा प्रिय मित्र,

राज

अथवा

आपको अपने क्षेत्र के कुछ लोगों की गतिविधियों पर संदेह है। इसकी सूचना देते हुए व त्वरित छान-बीन करने का अनुरोध करते हुए क्षेत्रीय थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए।



उत्तर -

मॉडल टाउन - 1100XX

नई दिल्ली

दिनांक : 27 अगस्त 2026

सेवा में,

थानाध्यक्ष महोदय,

क्षेत्रीय पुलिस थाना,

मॉडल टाउन, नई दिल्ली।

विषय : क्षेत्र में हो रही संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने तथा त्वरित छानबीन के अनुरोध हेतु।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं मॉडल टाउन क्षेत्र का एक जिम्मेदार निवासी हूँ। मैं इस पत्र के माध्यम से आपका ध्यान हमारे इलाके में पिछले कुछ दिनों से हो रही कुछ संदिग्ध (शक पैदा करने वाली) गतिविधियों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। पिछले एक सप्ताह से हमारे मोहल्ले के खाली पड़े पार्क में देर रात कुछ अनजान लोगों का जमावड़ा लगा रहता है। ये लोग रात के अंधेरे में आते हैं और इनकी हरकतें बहुत ही अजीब लगती हैं। इनके कारण आस-पास रहने वाले परिवारों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों में डर का माहौल बन गया है। हमें आशंका है कि ये लोग किसी गैर-कानूनी काम या अपराध को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि कृपया इस मामले को गंभीरता से लें और इसकी तुरंत छानबीन करवाएं। इसके साथ ही, रात के समय हमारे इलाके में पुलिस की गश्त (पैट्रोलिंग) बढ़ाने की कृपा करें, ताकि कोई बुरी घटना न घटे और निवासियों का डर दूर हो सके।

धन्यवाद।

भवदीय,

मोहित

(निवासी, मॉडल टाउन)



37. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए -

- (क) विश्व में सुधरती भारत की छवि
- (ख) जो तोक् काँटा बुवै, ताहि बोय तू फूल
- (ग) मुड़ो प्रकृति की ओर, बढ़ो मनुष्यता की ओर
- (घ) मेरा प्रिय कवि

उत्तर -

(घ) मेरा प्रिय कवि

भूमिका : भारत की पवित्र धरती ने कई महान कवियों और लेखकों को जन्म दिया है, लेकिन मेरे सबसे प्रिय कवि संत कबीरदास जी हैं। वे केवल एक कवि ही नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक, निडर विचारक और सच्चे संत थे। उनका जन्म ऐसे समय में हुआ था जब समाज में कई तरह की बुराइयाँ, छुआछूत और अंधविश्वास फैले हुए थे। कबीरदास जी ने अपनी सरल और प्रभावशाली कविताओं (दोहों) के माध्यम से समाज को अज्ञानता के अंधेरे से निकालकर ज्ञान की नई दिशा दिखाई।

विषय वस्तु : कबीरदास जी की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने कोई किताबी शिक्षा प्राप्त नहीं की थी, लेकिन वे जीवन के बहुत बड़े ज्ञानी थे। उन्होंने जो कुछ भी अपनी आँखों से समाज में देखा और अनुभव किया, उसे ही अपनी कविताओं में पिरोया। उनकी भाषा बहुत ही सरल, सहज और आम जनता की बोलचाल की भाषा थी, जिसे 'सधुक्कड़ी' कहा जाता है, ताकि हर आम इंसान उनकी बात समझ सके।

कबीर जी किसी एक धर्म या जाति को नहीं मानते थे; उनके लिए पूरी मानवता एक थी। उन्होंने हिंदू और मुस्लिम दोनों धर्मों में फैले अंधविश्वासों, दिखावों और पाखंडों का कड़ा विरोध किया। कबीर का मानना था कि ईश्वर किसी मंदिर या मस्जिद में नहीं, बल्कि हर इंसान के सच्चे हृदय में बसता है। ऊँचे कुल के घमंड और बुरे कर्मों पर चोट करते हुए उन्होंने हमेशा इंसान के अच्छे आचरण (व्यवहार) को ही सबसे बड़ा माना। उनके दोहे जैसे- "बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय", हमें दूसरों की कमियाँ निकालने के बजाय खुद को सुधारने की सीख देते हैं।

उपसंहार : कबीरदास जी के दोहे आज के आधुनिक समय में भी उतने ही प्रासंगिक और सच्चे हैं, जितने सैकड़ों साल पहले थे। उनके दोहे हमें जीवन जीने की सही कला, नैतिकता, मानवता और प्रेम का पाठ पढ़ाते हैं। उनकी इसी सच्चाई, निडरता और समाज को एक करने की भावना ने मुझे बहुत प्रभावित किया है। यही कारण है कि कबीरदास जी मेरे सर्वप्रिय कवि हैं।





Thank you!



We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.



Strive for Excellence – Your Path to Success